**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 14-06-2024**

**जहानाबाद(बिहार ) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-06-14 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2024-06-15 | 2024-06-16 | 2024-06-17 | 2024-06-18 | 2024-06-19 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 0.0 | 5.0 | 10.0 | 15.0 | 20.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 45.0 | 42.0 | 40.0 | 40.0 | 38.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 30.0 | 29.0 | 28.0 | 25.0 | 24.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 40 | 35 | 35 | 70 | 85 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 10 | 15 | 20 | 25 | 25 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 15 | 15 | 15 | 20 | 20 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 120 | 120 | 90 | 80 | 90 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 0 | 6 | 7 | 8 | 8 |

## मौसम सारांश / चेतावनी:

• भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार,15 से 19 जून के मध्य आसमान में बादल छा सकते हैं एवं जिले के एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा की संभावना हैं। • अधिकतम तापमान 38-45 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 24-28 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है। • सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 70 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 25 से 40 प्रतिशत रहने की संभावना है। • पूर्वानुमान की अवधि में 20 किमी/घंटा की रप्तार से पुरबा हवा चल सकती है।

## सामान्य सलाहकार:

गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में कीट-व्याधियों की बराबर निगरानी करते रहें। प्रकोप दिखने पर अनुशंसित दवा का छिड़काव करें।

## लघु संदेश सलाहकार:

आकाशीय बिजली से सुरक्षा हेतु अलर्ट हेतु "दामिनी" मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।

## फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| चावल | मध्यम अवधि वाले धान की किस्मों की बीजस्थली स्थापित करें। इसके लिए संतोष, सीता, सरोज, राजश्री, प्रभात, राजेन्द्र सुवासनी, राजेन्द्र कस्तुरी, राजेन्द्र भगवती, कामिनी, सुगंधा किस्में अनुशंसित है। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु 800-1000 बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौड़ाई 1.25-1.5 मीटर तथा लम्बाई सुविधा अनुसार रखें। बीज को गिराने से पहले बविस्टिन 2.0 ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से बीजोपचार करें। |
| काला चना | मूंग, उरद की तैयार फलियों की तुड़ाई कर ले तथा हरी खाद हेतु उसके पौधों को मिट्टी पलटने वाले हल से जमीन में गाड़ दें। |

## बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| प्याज | खरीफ प्याज की नर्सरी (बीजस्थली) गिरावें। छोटी-छोटी उथली क्यारियों जिसकी चौड़ाई एक मीटर एवं लम्बाई सुविधानुसार रखें। बीज को पंक्तियों में गिरावें। नर्सरी में जल निकास की व्यवस्था रखें। एन0-53, एग्रीफाउण्ड डॉक रेड, अर्का कल्याण, बसवंत-780 खरीफ प्याज के लिए अनुशंसित किस्में है। बीज गिराने के पूर्व बीज को केप्टन या थीरम/2 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से मिलाकर बीजोपचार कर लें। बीज की दर 8-10 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रमाणित स्त्रोत से खरीदकर ही लगावें। |
| लीची | लीची तोड़ने के बाद लीची के बाग की जुताई कर खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग करे। प्रति प्रौढ़ पेड़ 60 से 80 किलोग्राम कम्पोस्ट अथवा गोबर की सड़ी खाद, 2.5 किलोग्राम यूरिया, 1.5 किलोग्राम सिंगल सुपर फॉसफेट, 1.3 किलोग्राम म्युरेट आॅफ पोटाश तथा 50 ग्राम सुहागा के मिश्रण को पेड़ के पूरे फैलाव में समरुप बिछा कर मिट्टी में मिला दें। |

## पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय | पशुओं के चारा के लिए ज्वार, बाजरा तथा मक्का की बुआई करें। इसके साथ लोबिया तथा राईस बीन की बुआई अन्तर्वती खेती में करने से चारे की गुणवता बढ़ जायेगी तथा दुधारु पशुओं के लिए पौष्टिक चारा प्राप्त होगा। गलाघोटू एवं लंगड़ी रोग से बचाव के लिए पशुओं को टीकाकरण कराने की आवश्यकता है। |